INS KALVARI

India by virtue of its location is placed in a position which exhorts it to safeguard the seaways. Indian Navy by way of its Maritime Strategy has adopted a strategy of deterrence to maintain peace. Submarines singularly form the most important pillar of this strategy. This strategy and primacy of submarines has been apparent since the very inception of the Indian Navy.

INS Kalvari is first of the six submarines being built under Project 75 by technology transfer from France by Mazagon Docks in Mumbai. Commissioning of Kalvari this year marks the re-incarnation of the first submarine of the Indian Navy. The erstwhile Kalvari was commissioned into the Indian Navy on 08 Dec 1967. With the commissioning of INS Kalvari, Indian Navy has traversed the noteworthy milestone of 50 years of submarine operations.

The Indian Navy has enhanced the deterrent capability of its conventional Submarine Arm, from the erstwhile Kalvari class to Sindhughosh class and to the Shishumar class and now the formidable new Kalvari class. While the earlier submarines were of Russian and German origin, the reincarnated Kalvari class is the first platform based on French design, to be inducted into the Indian Navy.

INS Kalvari class is a potent, modern and advanced conventional submarine. She has the capability to dominate the waters off the adversaries' coasts and also safeguard our littoral against surface and subsurface threats. To fulfil these missions, it is equipped with beyond visual range Tube Launched Missiles and long range Torpedoes. The sensor suite comprises highly advanced Sonar, Radar, Electronic Surveillance sensor and state-of- the-art Communication-suite capable of Network Centric Warfare. The submarine is well equipped to operate with dominance in dense Anti-Submarine Warfare environment.

The indomitable spirit of erstwhile Kalvari is embodied in the new Kalvari and its crew is a harbinger of renewed vigour of the Submarine Arm.

Department of Posts is pleased to issue a Commemorative Postage Stamp on INS Kalvari.

Credits:-

Text : Based on the material received from proponent

Stamp/Sheetlet/FDC/ Brochure : Sh. Kamleshwar Singh

Cancellation Cachet : Smt. Alka Sharma

भारतीय डाक विभाग
DEPARTMENT OF POSTS
INDIA



भा नौ पो कलवरी
INS KALVARI
2017



विवरणिका BROCHURE

भा नौ पो कलवरी

भारत की भौगोलिक अवस्थिति ऐसी है कि इसके लिए अपने समुद्री मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करना अनिवार्य है। भारतीय नौसेना ने शांति बनाए रखने के लिए स्वयं को ताकतवर बनाकर हमले रोकने की सामुद्रिक रणनीति अपनाई है। इस रणनीति में पनडुब्बियों की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। पनडुब्बियों की प्रधानता की रणनीति, भारतीय नौसेना के अस्तित्व में आने के समय से ही स्पष्ट रही है।

भा नौ पो कलवरी छः पुनडुब्यिों की श्रेणी में पहली पनडुब्बी है, जिसे प्रोजेक्ट-75 के अंतर्गत फ्रांसीसी तकनीकी सहयोग से मुम्बई के मझगांव गोदी में तैयार किया गया। इस वर्ष कलवरी को बेड़े में शामिल किया जाना एक प्रकार से भारतीय नौसेना की प्रथम पनडुब्बी का पुनर्जन्म है। तत्कालीन कलवरी को 8 दिसम्बर, 1967 को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया था। भा नौ पो कलवरी को बेड़े में शामिल किए जाने के साथ आज भारतीय नौसेना ने पनडुब्बी प्रचालन के 50 वर्ष के इतिहास में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

भारतीय नौसेना ने पूर्ववती कलवरी श्रेणी से लेकर सिंधुघोष और शिशुमार श्रेणी तथा अब दुर्जेय नई कलवरी श्रेणी तक की यात्रा तय करते हुए पारम्परिक पनडुब्बियों की युद्ध कौशल और मारक क्षमता में वृद्धि की है। जहां प्रारंभिक पनडुब्बियां रूस और जर्मनी में निर्मित थीं, वहीं नई कलवरी श्रेणी की पनडुब्बी, भारतीय नौसेना में शामिल की जाने वाली पहली ऐसी पनडुब्बी है, जो फ्रांसीसी डिजाइन पर आधारित है।

भा नौ पो कलवरी एक शक्तिशाली, आधुनिक और उन्नत किस्म की पारम्परिक पनडुब्बी है। यह पनडुब्बी दुश्मन के तटवर्ती इलाकों में प्रभुत्व स्थापित करने के साथ-साथ सतह के ऊपर एवं नीचे संभावित खतरों से हमारे तटीय क्षेत्रों की रक्षा करने में पूरी तरह सक्षम है। यह पनडुब्बी निर्धारित लक्ष्यपूर्ति के लिए लंबी-दूरी की ट्यूब लांच मिसाइल और टारपीडो से लैस है। इसके सेंसर कक्ष (सुइट) में अत्यन्त उन्नत सोनार, रडार, इलेक्ट्रॉनिक निगरानी सेंसर और अत्याधुनिक संचार कक्ष शामिल है, जो नेटवर्क आधारित युद्ध पद्धति में सक्षम है। यह पनडुब्बी, सघन पनडुब्बी-रोधी युद्ध परिवेश में अपना वर्चस्व बनाए रखते हुए संचालन करने के लिए आवश्यक सभी उपकरणों से पूरी तरह लैस है।

इस नई कलवरी में पुरानी कलवरी का अदम्य साहस मौजूद है तथा इसमें तैनात कर्मीदल में असीम उत्साह है, जो पनडुब्बी बेड़े को नई स्फूर्ति प्रदान करने का संकेत देता है।

डाक विभाग, भा नौ पो कलवरी पर स्मारक डाक टिकट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है।

आभार:-

मूलपाठ : प्रस्तावक द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री पर आधारित

डाक टिकट/शीटलेट/ : श्री कमलेश्वर सिंह

प्रथम दिवस आवरण/विवरणिका विरूपण : श्रीमती अलका शर्मा

भारतीय डाक विभाग
DEPARTMENT OF POSTS
INDIA

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग Denomination	: :	500 पैसा 500 p
मुद्रित डाक टिकटें Stamps Printed	: :	632600 632600
मुद्रित शीटलेट्स Sheetlets Printed	: :	111400 111400
मुद्रण प्रक्रिया Printing Process	: :	वेट ऑफसेट Wet Offset
मुद्रक Printer	: :	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक-टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the stamp, first day cover and information brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 5.00